[श्री विशनचन्द्र सेठ]

कि पता नहीं हमारी सरकार देश की आबरू किस जगह जा कर बेच दे ।

17 hrs.

मैं आप के द्वारा सदन से निवेदन करूंगा कि वस्तुस्थिति को छिपाने से काम नहीं चलेगा । अगर हमारे अन्दर कमजोरी है तो हमें उसे साहस के साथ स्वीकार करना चाहिए ।

मैं अन्त में एक बात और कहना चाहता हूं । मेरा यह कहना है कि आज आप जिस प्रकार की मनोवृत्ति का सहारा ले रहे हैं, उसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम देश में यह हो रहा है—लोगों के सब की बात को छोड़िये—उल्टे जनता में कायरता की भावना जाग्रत होती चली जा रही है—और उसका प्रभाव हमारी सेना पर पड़ने जा रहा है । मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि अगर आप अपनी सेना को मजबूत करना चाहते हैं तो उसको लड़ने का अवसर दीजिए। सेना के लोग अक्सर हमसे रेलों और दूसरी जगह मिलते है । उनके दिम में यह भावना है कि अपने देश के लिए, उसकी रक्षा के लिए जो कुछ कर सकते है करें। लेकिन उनको ऊपर से जैसे आर्डर मिलते हैं उनसे उनकी सारी भावना कुंठित हो जाती है । ऐसा करके आप देश में किस तरह की स्थिति पैदा करना चाहते है ? अगर देश कमजोर हो गया तो आप किस पर हुकूमत करेंगे ।

इन शब्दों के साथ मैं अपना भाषण समाप्त करता हूं ।

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

THIRTY-SEVENTH REPORT

Shri Rane (Buldana): I beg to present the Thirty-seventh Report of the Business Advisory Committee.

17.04 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, August 17, 1965/Sravana 26, 1887 (Saka).

GMGIPND—LS II—831(Ai) LSD—28-8-65—970.